पंजाब केसरी
THU,20 MARCH 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

मादक द्रव्यों का समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव : डॉ. वात्स्यायन

विश्व समाज कार्य दिवस कार्यक्रम में पहुंचे अतिथि छात्राओं के साथ। (अरोड़ा)

गोहाना, 19 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा बुधवार को नैशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफैशनल सोशल वर्कर ऑफ इंडिया के सहयोग से विश्व समाज कार्य दिवस मनाया गया। 'कल्याण के लिए अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को मजबूत करना' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार ने की।

कार्यक्रम में आभा फाऊंडेशन से डॉ सुनील वात्स्यायन, नैशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफैशनल सोशल वर्कर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. संजय भट्ट, अशोक फाऊंडेशन से निखिल कुमार, नाडा फाऊंडेशन से मधु भट्ट और पल्लवी भी पहुंचे।

प्रथम सत्र में डॉ. सुनील वात्स्यायन ने भारत में मादक द्रव्यों के सेवन के विषय पर बातचीत की और बताया कि मादक द्रव्य कितने घातक होते हैं, जिसने आज समाज को बुरी तरह से जकड़ लिया है, यह न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन को नष्ट करता है बल्कि समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे हमें बचना चाहिए।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डॉ. संजय भट्ट ने सामाजिक कार्य के विषय में बताया कि समाज कार्य एक ऐसा पेशा है, जो व्यक्तियों, परिवारों, समूह और समुदायों को उनके सामाजिक कार्यप्रणाली और कल्याण को बढ़ाने पर आधारित है, जिसका उद्देश्य व्यक्तियों का कल्याण करना है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

इस कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग से डॉ. मंजू पवार, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, लुसी, सोहन लाल एवं समाज कार्य विभाग की सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

पंजाब केसरी
THU,20 MARCH 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की सर्कल कबड्डी की टीम ने जीता कांस्य पदक

कांस्य पदक विजेता टीम की खिलाड़ी छात्राएं अपने प्राध्यापकों के साथ। (अरोड़ा)

गोहाना, 19 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की सर्कल कबड्डी की टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में महिला विश्वविद्यालय की टीम ने लगातार 5वें वर्ष पदक जीता है।

महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने बुधवार को विजेता टीम से मुलाकात कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। प्रो. सुदेश ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों को और अधिक ढांचागत व्यवस्था तथा सुविधाएं देने के लिए प्रयास करेगा, ताकि खेलों के क्षेत्र में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने छात्राओं को खेलों के साथ-साथ पढ़ाई को भी सुचारू रखने की बात कही।

खेल निदेशक डॉ. सुमन दलाल ने बताया कि जींद में स्थित चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में 10 से 13 मार्च तक आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्कल कबड्डी चैंपियनशिप में महिला विश्वविद्यालय की टीम ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक को हराकर कांस्य पदक जीता।

विश्वविद्यालय खेल प्रभारी डॉ. संजीत मलिक ने बताया कि महिला विश्वविद्यालय की सर्कल कबड्डी टीम लगातार 5 साल से ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में पदक जीत रही है।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में जीता कांस्य पदक

गोहाना मुद्रिका एप, 19 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की सर्कल कबड्डी की टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में महिला विश्वविद्यालय की टीम ने लगातार पांचवें वर्ष पदक जीता है। महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने बुधवार को विजेता टीम से मुलाकात कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। प्रो. सुदेश ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों को और अधिक ढांचागत व्यवस्था तथा सुविधाएं देने के लिए प्रयास करेगा, ताकि खेलों के क्षेत्र में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने छात्राओं को खेलों के साथ साथ पढाई को भी सुचारू रखने की बात कही।

खेल निदेशक डॉ. सुमन दलाल ने बताया कि जींद में स्थित चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में 10 से 13 मार्च 2025 तक आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्कल कबड्डी चैंपियनशिप में महिला विश्वविद्यालय की टीम ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक को हराकर कांस्य पदक जीता।

विश्वविद्यालय खेल प्रभारी डॉ संजीत मलिक ने बताया कि महिला विश्वविद्यालय की सर्कल कबड्डी टीम लगातार पांच साल से आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में पदक जीत रही है।

मादक द्रव्यों का समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव

गोहाना मुद्रिका एप, 19 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा बुधवार को नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्कर ऑफ़ इंडिया के सहयोग से विश्व समाज कार्य दिवस मनाया गया। "कल्याण के लिए अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को मजबूत करना" विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ मंजू पंवार ने की।

कार्यक्रम में आभा फाउंडेशन से डॉ सुनील वात्स्यायन, नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्कर ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष डॉ संजय भट्ट, अशोक फाउंडेशन से निखिल कुमार, नाडा फाउंडेशन से मधु भट्ट और पल्लवी भी पहुंचे। प्रथम सत्र में डॉक्टर सुनील वात्स्यायन ने भारत में मादक द्रव्यों के सेवन के विषय पर बातचीत की और बताया कि मादक द्रव्य कितने घातक होते हैं, जिसने आज समाज को बुरी तरह से जकड़ लिया है, यह न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन को नष्ट करता है बल्कि समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे हमें बचना चाहिए।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डॉ संजय भट्ट ने सामाजिक कार्य के विषय में बताया कि समाज कार्य एक ऐसा पेशा है, जो व्यक्तियों ,परिवारों समूह और समुदायों को उनके सामाजिक कार्य प्रणाली और कल्याण को बढ़ाने पर आधारित है ,जिसका उद्देश्य व्यक्तियों का कल्याण करना है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग से डॉ मंजू पवार, डॉ दीपाली माथुर, डॉ ज्ञान मेहरा, लूसी, सोहनलाल एवं समाज कार्य विभाग के सभी छात्राएं उपस्थित रही।

आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाया दम

महिला विवि की कबड्डी टीम तीसरे स्थान पर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां की सर्कल कबड्डी टीम ने आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त कर जीत का परचम लहराया। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने विजेता टीम को शुभकामनाएं दी। महिला विवि की खेल निदेशक डॉ. सुमन दलाल ने बताया कि चौधरी रणबीर सिंह विवि जींद में 10 से 13 मार्च 2025 तक आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्कल कबड्डी चैंपियनशिप में महिला विवि की टीम ने महर्षि दयानन्द विवि रोहतक को हराकर कांस्य पदक जीता। विवि खेल प्रभारी डॉ. संजीत मलिक ने बताया कि महिला विवि की सर्कल कबड्डी टीम लगातार पांच साल से आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में पदक जीत रही है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि हमारे खिलाडियों ने विवि को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। विवि प्रशासन खिलाडियों को और अधिक ढांचागत व्यवस्था तथा सुविधाएं देने के लिए प्रयास करेगा, ताकि खेलों के क्षेत्र में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने छात्राओं को खेलों के साथ साथ पढाई को भी सुचारू रखने की बात कही। इस अवसर पर डॉ. बबिता, डॉ. मुकेश व सुशील कुमार उपस्थित रहे।

गोहाना। विजेता खिलाड़ियों के साथ महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

महिला विवि में विश्व समाज कार्य दिवस मनाया

■ सभी विभागों के विद्यार्थी कार्यक्रम में हुए शामिल

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा बुधवार को राष्ट्रीय एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर ऑफ इंडिया के सहयोग से विश्व समाज कार्य दिवस मनाया गया। कल्याण के लिए अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को मजबूत करना विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार ने की। कार्यक्रम में आभा फाउंडेशन से डॉ. सुनील वात्स्यायन, नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. संजय भट्ट, अशोक फाउंडेशन से निखिल, नाडा फाउंडेशन से मधु भट्ट व पल्लवी को बतौर विशिष्ट अतिथि आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. सुनील वात्स्यायन ने भारत में मादक द्रव्यों का बढ़ता सेवन चिंता का विषय है। मादक द्रव्यों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन को नष्ट करता है बल्कि समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरे सत्र में डॉ. संजय भट्ट ने सामाजिक कार्य के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, लूसी, सोहनलाल एवं समाज कार्य विभाग के सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

खबर संक्षेप

महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनें

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के विधि विभाग में स्थापित लीगल ऐड सेंटर द्वारा जिला लीगल सर्विसेज अथॉरिटी सोनीपत के तत्वावधान में सात दिवसीय महिला अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के शुभारम्भ सत्र की अध्यक्षता विधि विभाग की अध्यक्षा डॉ. सीमा दहिया ने की। मुख्य वक्ता अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. शालिनी अत्री ने नारीवादी अवधारणा पर बोलते हुए कहा कि इस अवधारणा का आरंभ इस विश्वास के साथ हुआ था कि स्त्रियां पुरुषों की तुलना में हीनता की स्थिति में हैं। नारीवादी विचारधारा मुख्य रूप से स्त्री-पुरुष भेदभाव से जुड़ी है।

विश्वविद्यालय की टीम ने कबड्डी में जीता कांस्य

कुलपति प्रो . सुदेश व अधिकारियों के साथ में विजेता खिलाड़ी • सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां की सर्कल कबड्डी की टीम ने आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया।
विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो . सुदेश ने बुधवार को टीम की खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कुलपति ने कहा कि खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों को और अधिक ढांचागत व्यवस्था व सुविधाएं देने के लिए प्रयास करेगा, ताकि खेलों के क्षेत्र में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने छात्राओं को खेलों के साथ साथ पढ़ाई को भी सुचारु रखने की बात कही।
विश्वविद्यालय की खेल निदेशक डा . सुमन दलाल ने बताया कि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। महिला विश्वविद्यालय की टीम ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की टीम को हराकर कांस्य पदक जीता।

पदक विजेता खिलाड़ियों का स्वागत

अखिल भारतीय अंतर विवि. कबड्डी प्रतियोगिता में एमडीयू की टीम को हराकर जीता पदक

सोनीपत के गोहाना के खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य के साथ ट्रॉफी दिखातीं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता की पदक विजेता खिलाड़ी। स्रोत : विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की सर्कल कबड्डी टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। विश्वविद्यालय लौटने पर कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य ने खिलाड़ियों का स्वागत किया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन खिलाड़ियों को और अधिक ढांचागत व्यवस्था व सुविधाएं देने के लिए प्रयास करेगा, ताकि खेलों के क्षेत्र में और अधिक श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने छात्राओं को खेलों के साथ पढ़ाई को भी सुचारु रखने की बात कही।

खेल निदेशक डॉ. सुमन दलाल ने बताया कि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में 10 से 13 मार्च तक आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय सर्कल कबड्डी चैंपियनशिप में महिला विश्वविद्यालय की टीम ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक को हराकर कांस्य पदक जीता।

विश्वविद्यालय के खेल प्रभारी डॉ. संजीत मलिक ने बताया कि महिला विश्वविद्यालय की सर्कल कबड्डी टीम लगातार पांच साल से अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में पदक जीत रही है। इस अवसर पर खेल निदेशक डॉ. सुमन दलाल, खेल प्रभारी डॉ. संजीत मलिक, डॉ. बबीता, डॉ. मुकेश व सुशील कुमार भी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

महिला विवि में मनाया विश्व समाज कार्य दिवस

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर ऑफ इंडिया के सहयोग से विश्व समाज कार्य दिवस मनाया गया। कल्याण के लिए अंतर, पीढ़ीगत एकजुटता को मजबूत करना विषय पर आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने किया। वक्ता के रूप में आभा फाउंडेशन से डॉ. सुनील, एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय भट्ट, अशोक फाउंडेशन से निखिल, नाडा फाउंडेशन से मधु भट्ट व पल्लवी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि समाज कार्य एक ऐसा पेशा है जो लोगों, परिवारों, समूह व समुदायों को उनके सामाजिक कार्य व कल्याण को बढ़ाने पर आधारित है। कार्यक्रम में डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, लूसी व सोहनलाल मौजूद रहे। संवाद

नारीवादी विचारधारा स्त्री-पुरुष भेदभाव से जुड़ी : प्रो. शालिनी

भगत फूल सिंह विवि में महिला अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग में स्थापित कानूनी सहायता केंद्र की ओर से जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तत्वावधान में सात दिवसीय महिला अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ. सीमा दहिया ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. शालिनी अत्री ने सभी को महिला अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

प्रो. शालिनी अत्री ने कहा कि नारीवादी अवधारणा का आरंभ इस विश्वास के साथ हुआ था कि स्त्रियां पुरुषों की तुलना में हीनता की स्थिति में हैं। नारीवादी विचारधारा मुख्य रूप से स्त्री-पुरुष भेदभाव से जुड़ी है।

नारी वादियों का मानना है कि प्रकृति ने स्त्री व पुरुष की शारीरिक बनावट में जो

गोहाना के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। स्रोत : विश्वविद्यालय

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तत्वावधान में हो रहा कार्यक्रम

अंतर स्थापित किया है, उसी को सामाजिक स्थिति का आधार बना लिया गया है, जो कि तर्कसंगत नहीं है। प्राचीन काल से ही स्त्रियों को सामाजिक जीवन में उपयुक्त मान्यता नहीं दी गई।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पुरुष वर्चस्व हर एक समाज की सच्चाई है। भारतीय समाज भी इससे अछूता नहीं रहा।

जिला कानूनी सहायता परिषद से कमलेश ने छात्राओं को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की कार्य शैली से अवगत कराया। कानूनी सहायता केंद्र की संयोजक डॉ. अलका भारती, डॉ. अर्चना, डॉ. प्रमोद व डॉ. दुर्गेश मौजूद रहे।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्कल कबड्डी में कांस्य पदक विजेता टीम सम्मानित

गोहाना. विजेता खिलाड़ियों के साथ कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

गोहाना| ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्कल कबड्डी में कांस्य पदक विजेता बीपीएस महिला विवि की टीम को विवि में पहुंचने पर कुलपति प्रो. सुदेश ने सम्मानित किया। विवि की खेल निदेशक डॉ. सुमन दलाल ने बताया कि जींद के चौ. रणबीर सिंह विवि में 10 से 13 मार्च तक यह प्रतियोगिता हुई। जिसमें महिला विवि की टीम ने रोहतक के महर्षि दयानंद विवि की टीम को हराकर कांस्य पदक जीता। खेल प्रभारी डॉ. संजीत मलिक ने बताया कि कबड्डी टीम लगातार पांच साल से प्रतियोगिता में पदक जीत रही है। मौके पर डॉ. बबिता, डॉ. मुकेश व सुशील कुमार भी मौजूद रहे।

डॉ. सुनील ने मादक द्रव्यों के सेवन के नकारात्मक प्रभाव की दी जानकारी

गोहाना. कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व प्रतिभागी।

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि में समाज कार्य विभाग द्वारा नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर ऑफ इंडिया के सहयोग से विश्व समाज कार्य दिवस मनाया गया। कल्याण के लिए अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को मजबूत करना विषय पर आयोजित आभा फाउंडेशन से डॉ. सुनील वात्स्यायन, नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. संजय भट्ट, अशोक फाउंडेशन से निखिल, नाडा फाउंडेशन से मधु भट्ट व पल्लवी को बतौर विशिष्ट अतिथि आमंत्रित किया गया। इस दौरान डॉ. सुनील वात्स्यायन ने भारत में मादक द्रव्यों के सेवन के नकारात्मक प्रभाव की जानकारी दी। उन्होंने मादक द्रव्यों से बचने की भी अपील की। वहीं डॉ. संजय भट्ट ने सामाजिक कार्य के विषय में बताया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पवार, डॉ. दीपाली माथुर, डॉ. ज्ञान मेहरा, लुसी, सोहनलाल आदि मौजूद थे।

दूसरी तरफ, विवि के विधि विभाग में स्थापित लीगल ऐड सेंटर द्वारा जिला लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के तत्वावधान में सात दिवसीय महिला अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम शुरू हुआ। अंग्रेजी विभाग की डॉ. शालिनी अत्री ने मुख्य वक्ता नारीवादी अवधारणा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नारी अवधारणा का आरंभ इस विश्वास के साथ हुआ था कि स्त्रियां पुरुषों की तुलना में हीनता की स्थिति में हैं। नारीवादी विचारधारा मुख्य रूप से स्त्री-पुरुष भेदभाव से जुड़ी है तथा यह स्त्रियों की भूमिका और अधिकारों से संबंधित है। प्राचीन काल से ही स्त्रियों को सामाजिक जीवन में उपयुक्त मान्यता नहीं दी गई और उन्हें हीन स्थिति में रखा गया। मौके पर डॉ. सीमा दहिया, कमलेश, डॉ. अलका भारती, डॉ. अर्चना, डॉ. प्रमोद व डॉ. दुर्गेश भी मौजूद रहे।